

2022

SANSKRIT — HONOURS

Paper : CC-14

(Sanskrit Composition and Communication)

Full Marks : 65

The figures in the margin indicate full marks.

*Candidates are required to give their answers in their own words
as far as practicable.*

विशेषोल्लेखं विना सर्वेषां प्रश्नानाम् उत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरलिप्या च प्रदातव्यम्।

Section – A

Unit : I

(Marks : 15)

1. अधोलिखितेषु यथेच्छं सूत्रद्वयं सोदाहरणं व्याख्येयम्।

5×2

- (a) प्रातिपदिकार्थ-लिङ्ग-परिमाण-वचनमात्रे प्रथमा।
- (b) स्वतन्त्रः कर्ता।
- (c) कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्।
- (d) सप्तम्यधिकरणे घ।

अथवा,

अधोरेखाङ्कितेषु पदेषु यथेच्छं पञ्चानां कारकविभक्तिप्रयोगः सकारणं सूत्रोल्लेखपूर्वकं निर्णयः।

2×5

- (a) राम! दशरथनन्दन त्रायस्व माम्।
- (b) हरिं भजति भक्तः।
- (c) वामनः बलिं याचते वसुधाम्।
- (d) अग्नये स्वाहा।
- (e) धावतोऽश्वात् पतति।
- (f) मातुः स्मरति।
- (g) रामेण वाणेन हतो बाली।
- (h) दरिद्राय वस्त्रं यच्छति।

Please Turn Over

2. अधोलिखितेषु वाक्येषु पञ्चानां यथानिर्देशं वाच्यपरिवर्तनं विधेयम्।

- (a) पथिकः माणवकं पन्थानं पृच्छति। (कर्मवाच्येन लेखनीयम्)
- (b) देवदत्तः तण्डुलान् ओदनं पचति। (कर्मवाच्येन लेखनीयम्)
- (c) गोपः गां गृहं नयति। (कर्मवाच्येन लेखनीयम्)
- (d) तेन वेदाः पठिताः। (कर्तृवाच्येन लेखनीयम्)
- (e) गुरुणा शिष्यः धर्ममुच्यते। (कर्तृवाच्येन लेखनीयम्)
- (f) शिशुः रोदिति। (भाववाच्येन लेखनीयम्)
- (g) ते प्रस्थितवन्तः। (भाववाच्येन लेखनीयम्)

Unit - II

(Marks : 10)

3. अधोलिखितेषु पञ्चानां परिनिष्ठितरूपं लिख्यताम्।

- (a) √चि + तव्य।
- (b) √कृ + ण्यत्।
- (c) √धा + क्त।
- (d) √भू + णिच् + क्तवतु।
- (e) √अस् + शतृ।
- (f) √दृश् + ण्वुल्।
- (g) √कृ + क्तिन्।

Section - B

Unit - I

(Marks : 20)

4. अधोलिखितयोः कस्यचित् एकस्य संस्कृतभाषया देवनागरलिप्या च अनुवादः करणीयः।

- (a) मानुष निज्जेर भाग्येर निर्माता। यदि आम्हरा परिश्रमके डय पाई ताहले जीवने समृद्धि लाभ करते पारव ना। केउ केउ मने करेन जीवनेर साफल्य अदृष्टेर अधीन। किन्तु ए मत सत्य नय। शुधु निज्जेर नय, समग्र देशेर समृद्धिर जन्य अध्यवसाय एकमात्र उपाय।

Man is the maker of his own fortune. We cannot prosper in life if we are afraid of labour. Some people think that success in life depends on luck. But this view is not true. Continued effort is only way of success, not only for an individual but also for a nation.

- (b) মাধব ও যাদব দুই বন্ধু ছিল। তারা এক গভীর বনের ধারে একই গ্রামে বাস করত। একদিন কাঠ ও মধু আহরণের জন্য তারা বনের মধ্যে গেল। হঠাৎ একটি হিংস্র ভালুক তাদের সামনে এল। পশুটিকে দেখে দুজনে ভিন্ন ভিন্নভাবে বাঁচার চেষ্টা করল।

Madhava and Yādava were two friends. They lived in the same village close to a dense forest. One day both went into the forest to collect wood and honey. Suddenly they came across a ferocious bear. On seeing the beast both tried to save themselves in different manner.

5. অঘোলিখিতযো: কস্যচিৎকস্যানুচ্ছেদস্য বঙ্গভাষয়া আঙ্গলভাষয়া বা অনুবাদ: করণীয়:। 10×1

- (a) কশিচ্চ সারমেয়: মুখে মাংসখণ্ডমেকং গৃহীত্বা নদীতটবৰ্ত্মনা গন্তুমারেভে। তদা নদীজলে পতিতমাৰ্মন: প্রতিবিম্বং দৃষ্ট্বা স মনসি অচিন্তয়ত্—অয়মপর: শ্বা মাংসখণ্ডমাধায় গচ্ছতি ইতি। অথ লোভাৎ তৎ মাংসখণ্ডমপি গ্রহীতুমিচ্ছন্ মুখং ব্যাধায় জলে পতিতবান্। তৎক্ষণমেব মাংসখণ্ডং জলে পতিতং স্রোতসা নীতম্। সারমেয়োঽপি কথঞ্চিৎ সন্তরণেণ তটং প্রাপ্য অচিন্তয়ত্— লোভ: মহানর্থকারণমিতি।
- (b) অথ স্বয়ংকৃতস্ত্যাপাত্রনিহিতস্য বরস্য প্রতিকারায় মহাদেবো নারায়ণসমীপং গত:। ভস্মাসুরোঽপি নারায়ণং সম্ভ্রান্ত:। অথ নারায়ণ: সস্মিতং তমসুরমাহ— ভো ভস্মাসুর! বৃথৈব তে তপ:ক্লেশ:। যো বরস্ত্বয়া লব্ধ: তস্য পরীক্ষণং নাহ্যপি জাতম্। জ্ঞাতস্যৈব বিষয়স্য পরত্র প্রয়োগ: সম্ভবতি। অত: স্বস্য শিরসি করং নিধায় ফলমবেহি। ততো ভস্মাসুর: স্বস্য শিরসি যাবত্ করং নিধতে তাবদেব স ভস্মতাং গত:।

Section - C

Unit - 1

(Marks : 20)

6. অঘোলিখিতেষু বিষয়মেকমবলম্ব্য ন্যূনতয়া পঞ্চাশদধিকশতশব্দৈ: প্রবন্ধ: লিখ্যতাম্।

20

- (a) উপনিষদাং মূলতত্ত্বানি।
 (b) ভারতীয়সাহিত্যে মহাভারতস্য প্রভাব:।
 (c) দণ্ডিন: পদলালিত্যম্।
 (d) বিদ্যারত্নং মহাঘনম্।